भोग लगाते समय भोग पद गान

राम कृष्ण गोविन्द,बम्म भोले आओ ।
दुर्गे भवानी मैया , भोग लगाओ।।

पूजा पाठ जप ध्यान कियो है,
कथा कीर्तन गुणगान कियो है।
स्वीकार करके शरण में लगाओ - दुर्गे भवानी मैया ....

बात निहारें तोरी भगत प्यारे ,
लगी भीड़ भारी मैया तेरे द्वारे।
रहमत के जलवे बरसाते आवो - दुर्गे भवानी मैया ....

शबरी सुदामा विदुरानी से देखे ,
प्रबल प्रेम में पड़ गए भुलेखे।
फिर भाव की वोही गंगा बहावो - दुर्गे भवानी मैया ....

बड़े प्रेमसे हम पदार्थ यह लाये ,
चाखो मैया जी अमृत बन जाए।
रस नाम का जन "मधुप"को पिलावो - दुर्गे भवानी मैया ....

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33087/title/bhog-lgaate-smay-bhog-pad-gaayan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |